पुलिस को मोबाइल तो मिला ,पर लापता युवक का पता नहीं

लखनादौन पुलिस को ईएमआई नंबर ट्रेस से मिला मोबाइल

गणेशगंज नवभारत। लखनादौन थाना अंतर्गत आने वाले ग्राम गणेशगंज में विगत एक वर्ष से लापता युवक जितेंद्र उर्फ़ बिन्नु सैयाम पिता चेतराम सैयाम का अब तक कुछ पता नहीं चला है। हालाकि लखनादौन पुलिस द्वारा जितेंद्र को ढूंढ निकाले जाने में अपनी तरफ़ से हर संभव कोशिश की जा रही है।

लखनादौन पुलिस द्वारा हर स्तर से जितेंद्र की तलाश की जा रही है उसी क्रम में लापता होने से पूर्व जितेंद्र के पास जो मोबाइल था उसकी जानकारी परिजन द्वारा थाने में दी गई जिसके बाद लखनादौन पुलिस ने उक्त मोबाईल की ईएमआई नंबर को निरंतर ट्रेस किया वही अथक प्रयासों के बाद मोबाइल तो मिल गया परंतु जितेंद्र अब भी पुलिस पकड़ से दूर है। मोबाईल जिसके पास मिला वह रायपुर छत्तीसगढ़ अंतर्गत रहने वाला बताया जा रहा है। जिसने लखनादौन पुलिस को बताया कि मोबाईल उसे नागपुर में मिला था। अब ऐसे में पुलिस आगे की बिंदुओं की जांच कर रही है। कयास लगाये जा रहे है कि शीघ्र ही पुलिस जितेंद्र को ढूंढ निकालेगी। थाना प्रभारी द्वारा लगातार इस मामले में गंभीरता बरतते हुए कार्यवाही की जा रही है।

पुलिस कर रही प्रयास

थाना प्रभारी ने नवभारत से चर्चा में बताया कि उपरोक्त संबंध में अधिक जानकारी हेतु जब हमारे द्वारा लखनादौन थाना प्रभारी से चर्चा की गई तब उन्होंने बताया की हम हर तरह से जितेंद्र को ढूंढ निकाले जाने की कोशिश कर रहे मोबाइल मिलने से थोडी उम्मीद तो मिली थी कि कुछ हद तक हम सफल हुए लेकिन मोबाइल किसी और के पास पाया गया। अब हम किसी अन्य विकल्प के माध्यम से उसे ढूंढ निकाले जाने की कोशिश कर रहे हैं उम्मीद है कि हम शीघ्र ही उस तक पहुंच जाएंगे। लखनादौन पुलिस द्वारा निरंतर तत्परता से की जा रही गतिविधि से उम्मीद तो लगाया जा रहा है कि शीघ्र ही जितेंद्र तक पहुंचेंगे। फिर भी देखने वाली बात होगी लखनादौन पुलिस को यह सफ़लता कब तक मिलती है।

कलेक्टर ने की विभागवार समीक्षा अधिकारियों को दिये निर्देश

सिवनी नवभारत। कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने गुरुवार 01 जनवरी को आगामी कलेक्टर-कमिश्नर कॉन्फ्रेंस के एजेंडे को लेकर कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संबंधित विभागों के अधिकारियों की बैठक लेकर विस्तृत समीक्षा की। बैठक में शासन की प्राथमिक योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन, लक्ष्य पूर्ति एवं जमीनी स्तर पर लाभ सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया। समीक्षा के दौरान कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले ने कृषि,उद्यानिकी विभाग, पशुपालन विभाग, मत्स्य पालन विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, महिला बाल विकास विभाग, जिला पंचायत तथा नगरीय/शहरीय विकास विभाग की योजनाओं की बिंदुवार प्रगति की गहन समीक्षा की। उन्होंने विभागवार योजनाओं की वर्तमान स्थिति, भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, लाभार्थी संतुष्टि, नवाचारों तथा आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध और पारदर्शी रूप से पहुँचे। उन्होंने लंबित प्रकरणों के शीघ्र निराकरण के निर्देश दिए। बैठक में सीईओ जिला पंचायत श्रीमती अंजली शाह, अपर कलेक्टर सी एल चनाप, अपर कलेक्टर सुश्री सुनीता खण्डायत सहित संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

नये वर्ष के स्वागत में मंदिरों में उमड़ा श्रद्धा का सैलाब

छपारा नवभारत। नये वर्ष 2026 का आगाज धार्मिक उल्लास और अटूट श्रद्धा के साथ हुआ। गुरुवार को साल के पहले दिन नगर के विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन के लिए श्रद्धालुओं का भारी जनसमूह उमड़ पड़ा। लोग सुबह से ही अपने परिवारों के साथ मंदिरों की ओर रुख करते नजर आए, जिससे नगर का वातावरण पूरी तरह भक्तिमय हो गया।

प्रमुख मंदिरों में रही भारी भीड़

नगर के राममंदिर ,लक्ष्मी नारायण मंदिर, प्राचीन शिव मंदिर, गौरीशंकर मंदिर ,रामरसिक दरवार मंदिर और शंकर मढ़िया में भक्तों का तांता लगा रहा। श्रद्धालु कतारबद्ध होकर अपनी बारी का इंतजार करते दिखे। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक सभी ने भगवान के दर्शन कर सुख-शांति, अच्छे स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद लिया। मंदिरों में दर्शन का यह सिलसिला सुबह से शुरू होकर देर रात तक अनवरत जारी रहा।

बड़ा बगीचा हनुमान मंदिर में विशेष आयोजन

शनिचरी मोहल्ला स्थित बड़ा बगीचा हनुमान मंदिर में नए वर्ष को लेकर विशेष तैयारियां की गई थीं। यहाँ भक्तों ने पवनपुत्र हनुमान जी के दर्शन किए और भव्य आरती में भाग लिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा हनुमान चालीसा पाठ कर मिष्ठान अर्पित कर प्रसाद का वितरण भी किया वहीं भंडारा प्रसादी वितरण का भी आयोजन किया गया। अधिकतर लोगों ने नए साल की शुरुआत आधुनिक चकाचौंध के बजाय परंपरा और अध्यात्म के साथ करना बेहतर समझा। पूरे नगर में सह-परिवार मंदिर पहुँचने का क्रम बना रहा, जिससे समाज में सकारात्मकता और आपसी मेलजोल का संदेश भी देखने को मिला।

झूलते विद्युत तार या झूलती मौत, मासूमों की पढ़ाई पर मंडरा रहा खतरा

कागज़ों में सुरक्षा, ज़मीन पर खतरा : प्राथमिक शाला सुक्कम के पास झुका बिजली खंभा

लखनादौन नवभारत। सरकारी तंत्र की संवेदनहीनता का एक डरावना चेहरा सिवनी जिले के लखनादौन तहसील अंतर्गत सुक्कम गांव में साफ दिखाई दे रहा है, जहां शासकीय प्राथमिक शाला के बिल्कुल समीप झूलते विद्युत तार और 30 डिग्री झुका बिजली का खंभा किसी भी समय बड़े हादसे में बदल सकता है।

यह वही विद्यालय है जहां रोज़ाना 4 से 12 वर्ष के मासूम बच्चे शिक्षा लेने आते हैं। स्कूल से महज 20 मीटर की दूरी पर स्थित यह बिजली का खंभा लगभग जमीन को छूने की स्थिति में है, और ऊपर से लटकते तार हर पल बच्चों, शिक्षकों और ग्रामीणों की जान के लिए खतरा बने हुए हैं।

खेल मैदान में खेलते बच्चे, ऊपर मौत का जाल विद्यालय का मैदान बच्चों की गतिविधियों का मुख्य केंद्र है। खेलते, दौड़ते, अभ्यास करते नौनिहालों के ठीक पास ऊपर से गुजरते ये झूलते तार सवाल खड़े करते हैं कि क्या प्रशासन को किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार है?

गरीब और वंचित वर्ग के बच्चों की अनदेखी इस प्राथमिक शाला में पढ़ने वाले अधिकांश बच्चे गरीब, मजदूर, अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति परिवारों से आते हैं। ग्रामीणों का कहना है कि शायद यही वजह है कि उनकी आवाज़ को गंभीरता से नहीं लिया जा रहा। अगर यही स्कूल किसी शहरी इलाके में होता, तो क्या हालात इतने भयावह होते? यह सवाल गांव-गांव में गूंज रहा है। ग्रामीणों ने बताया कि विद्युत विभाग के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया गया। स्कूल शिक्षा विभाग को भी जानकारी दी गई, लेकिन आज तक न तो खंभा बदला गया, न ही बिजली लाइनों को सुरक्षित किया गया ।

ग्रामीणों की स्पष्ट मांग है कि तुरंत झुके हुए बिजली खंभे को बदला जाए ,स्कूल के आसपास से बिजली लाइनों को सुरक्षित किया जाए ,जिम्मेदार अधिकारियों पर कार्रवाई तय की जाए ,अब सवाल सिर्फ सुक्कम गांव का नहीं है, सवाल है सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चों की सुरक्षा का।

हादसों का हो रहा इंतजार

ग्रामीणों में रोष है कि दोनों विभागों के अधिकारी एसी कमरों में बैठकर किसी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। उन्हें डर है कि जब कोई मासूम हादसे का शिकार होगा, तब प्रशासन जागेगा और नेता सिर्फ सांत्वना देने पहुंचेंगे। यह सिर्फ लापरवाही नहीं, अपराध है स्कूल परिसर के पास इस तरह झुकी हुई विद्युत संरचना गंभीर सुरक्षा मानकों का उल्लंघन है। यह स्थिति सिर्फ चेतावनी नहीं, बल्कि खुलेआम जोखिम है। प्रशासन के सामने सीधे सवाल क्या किसी बच्चे की जान जाने के बाद ही खंभा बदला जाएगा? क्या गरीब और आदिवासी बच्चों की सुरक्षा की कोई कीमत नहीं? स्कूल शिक्षा विभाग और विद्युत विभाग एक-दूसरे पर जिम्मेदारी डालकर कब तक बचते रहेंगे?

बाधी-मनौरी गांव में 60 बोरियों से बना जल संरक्षण बांध

सिवनी नवभारत। बदलते मौसम चक्र और हर वर्ष गहराते जल संकट को देखते हुए गर्मियों में पानी की कमी से निपटने के लिए ग्राम बाधी एवं मनोरी में जल संचय अभियान के अंतर्गत बोरी बंधान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम जन अभियान परिषद के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ, जिसमें ग्रामीणों ने बढ़-चढ़कर श्रमदान कर जल संरक्षण का संदेश दिया।

कार्यक्रम में जिला समन्वयक सौरभ शुक्ला, ब्लॉक समन्वयक श्रीमती मोनिका चौरसिया, ग्राम पंचायत सचिव तरुण सनोडिया, निर्मल सनोडिया, वीरेंद्र डेहरिया, अनिल यादव, सुरेंद्र डेहरिया, मैटर, राहुल पांडे, सुधीर कुमार ठाकुर, श्रीमती कविता बेले, श्रीमती रुक्मणी सनोडिया सहित नवांकुर संस्था बहुउद्देशीय शहरी एवं ग्रामीण विकास संस्थान सिवनी के बद्रीप्रसाद सनोड़िया, तरुण उईके, छत्रपाल सनोडिया, प्रदीप इनबाती, सुमरबती मर्सकोले, सुदामा विश्वकर्मा, तोड़े बेलवंशी, सतीश यादव एवं ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति के सदस्य उपस्थित रहे ।कार्यक्रम के दौरान नाले पर 60 बोरियों से अस्थायी बांध का निर्माण किया गया। श्रमदान के माध्यम से नाले में बहते वर्षा जल को रोका गया, जिससे भू-जल स्तर में वृद्धि हो सके। ग्रामीणों ने जल संरक्षण को अपना सामाजिक दायित्व बताते हुए सक्रिय भागीदारी निभाई ।ग्रामीणों ने बताया कि बोरी बंधान से वर्षा जल का संचयन होने पर आसपास के कुएं और हैंडपंपों का जलस्तर बढ़ेगा, जिससे गर्मियों में पेयजल संकट से राहत मिलेगी।

जबलपुर-सिवनी नेशनल हाईवे पर मंडरा रहा बड़ा खतरा

सनाइडोंगरी के पास डिवाइडर अंदर से खोखला, वाहन चालकों की जान जोखिम में

सिवनी नवभारत। जबलपुर-सिवनी राष्ट्रीय राजमार्ग पर सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही सामने आई है। यह मामला सेनइडोंगरी ग्राम के समीप पुरवा रैयत रोड का है, जहां से गुजरती चार लेन सड़क इस मार्ग पर एक ओर सड़क ऊंचाई पर बनी हुई है, जबकि दूसरी ओर सड़क का स्तर नीचे है। ऊंचाई पर बनी सड़क के बीच बनाए गए डिवाइडर अब धीरे-धीरे अंदर से खोखले होते जा रहे हैं।

स्थानीय लोगों और राहगीरों के अनुसार डिवाइडर के नीचे से कंक्रीट और मलबा लगातार झड़ रहा है, जिससे दरारें साफ दिखाई देने लगी हैं। ऊपर से मजबूत नजर आने वाला यह डिवाइडर अंदर से पूरी तरह कमजोर हो चुका है। कई स्थानों पर क्रैक निकल आए हैं और भीतर का खोखलापन खुलकर सामने आ रहा है, जो किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

यह राष्ट्रीय राजमार्ग होने के कारण यहां से प्रतिदिन हजारों की संख्या में भारी और हल्के वाहन गुजरते हैं। तेज रफ्तार ट्रकों, बसों और कारों की आवाजाही के बीच यदि डिवाइडर धंसता या टूटता है, तो यह एक बड़े सड़क हादसे को जन्म दे सकता है। खासकर रात के समय और बारिश के मौसम में यह खतरा और भी बढ़ जाता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतने गंभीर हालात के बावजूद एनएचएआई की ओर से अब तक कोई ठोस मरम्मत या सुरक्षा उपाय नहीं किए गए हैं। न तो चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं और न ही डिवाइडर की तत्काल मरम्मत की गई है। स्थानीय नागरिकों और वाहन चालकों ने मांग की है कि एनएचएआई जल्द से जल्द इस ओर ध्यान दे और डिवाइडर की तकनीकी जांच कराकर तत्काल मरम्मत कार्य शुरू करे, ताकि किसी भी अनहोनी से पहले इस खतरे को टाला जा सके। यदि समय रहते कार्रवाई नहीं की गई, तो इसका खामियाजा आम जनता को अपनी जान देकर चुकाना पड़ सकता है।

बंडोल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने संजय संजू बघेल

बंडोल नवभारत। गत दिवस कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र जीतू पटवारी निर्देशन में प्रदेश प्रभारी हरीश चौधरी के अनुमोदन से प्रदेश के हर जिलो में ब्लॉक कांग्रेस के अध्यक्षों की नियुक्ति की गई जिसमें सिवनी जिले के बंडोल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी के संजय संजू बघेल अध्यक्ष बनाया गया इस अवसर पर ग्राम बंडोल में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष नरेश मरावी, यूथ कांग्रेस कमेटी के जिला अध्यक्षआदित्य मोंटू भूरा तथा वरिष्ठ कांग्रेसी नेता शिव सनोडिया की गरिमामय उपस्थिति में संजय संजू बघेल ने बंडोल ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष का पदभार ग्रहण कराया गया नव नियुक्त ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष संजय संजू बघेल को कार्यकर्ताओं फूल मालाओं से भव्य स्वागत किया गया। इस कार्यक्रम में वरिष्ठ कांग्रेसी महेश अग्रवाल, विनोद पुरोहित,पूर्व जिला पंचायत सदस्य छीदामी भलावी ,ओंकार राय, अनुज सक्सेना,बलराम यादव, अमित बघेल ,बंधु बघेल , लोकेश जंघेला, जिला पंचायत सदस्य नितिन डहेरिया ,शुभम डहेरिया ,सहित अनेक कांग्रेसी कार्यकर्ता उपस्थित रहे ।

श्रीमद् भागवत सप्ताह भक्ति ज्ञान यज्ञ शुरू

सिवनी। जिले की लखनादौन तहसील में आने वाला थूमा गांव जहां से 5 किलोमीटर की दूरी पर गोटेगांव रोड में बंजारी माता मंदिर में प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी 1 जनवरी से 8 जनवरी 2026 तक श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया जा रहा है कथा का समय प्रतिदिन दोपहर 1:00 से 5:00 तक रहेगा कथा व्यास श्री सतीश महाराज जी जबलपुर के मुखारविंद से भगवत गीता ज्ञान यज्ञ सुनने और धर्म लाभ लेने अवश्य पहुंचे।

ऐतिहासिक मठ घोघरा में असामाजिक तत्वों का डेरा

श्रद्धालुओं और छात्र -छात्राओं की सुरक्षा पर मंडरा रहा खतरा

सिवनी नवभारत। जिला मुख्यालय से 70 किमी लखनादौन तहसील से लगभग 10 किलोमीटर दूर स्थित ऐतिहासिक एवं प्राकृतिक दर्शनीय स्थल मठ घोघरा आज अपनी धार्मिक और प्राकृतिक पहचान से अधिक असामाजिक गतिविधियों के कारण चर्चा में है। प्राकृतिक जल प्रपात, भोलेनाथ की प्राचीन शिवलिंग और संतों की तपोस्थली के रूप में प्रसिद्ध यह स्थल अब सुरक्षा के अभाव में असुरक्षित होता जा रहा है।

स्थानीय लोगों और प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मठ घोघरा परिसर में आए दिन शराबखोरी और नशेड़ियों का जमावड़ा देखा जा रहा है। जंगल और प्रपात के आसपास खुलेआम नशा करते लोग घूमते नजर आते हैं, जिससे श्रद्धालुओं, पर्यटकों और खासकर कॉलेज व स्कूल के छात्र-छात्राओं में भय का माहौल बना हुआ है।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यहां घूमने आने वाले युवक-युवतियों के साथ छेड़खानी, मारपीट, और लूटपाट की घटनाएं सामने आ रही हैं। जंगल क्षेत्र में जानवर चराने वाले ग्रामीणों के साथ भी असामाजिक तत्वों द्वारा मारपीट कर पैसे और मोबाइल छीनने की घटनाएं हुई हैं,कही खड़ी बाइक से पेट्रोल निकाल लेने की घटनाएं सामने आ रही है वहीं लेकिन डर के कारण कई मामलों में शिकायत दर्ज नहीं हो पा रही है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि इतने प्रसिद्ध और संवेदनशील दर्शनीय स्थल पर पुलिस या किसी भी प्रकार की सुरक्षा व्यवस्था पूरी तरह नदारद है। न तो अस्थायी पुलिस चौकी है और न ही नियमित गश्त, जिससे असामाजिक तत्वों के हौसले बुलंद हैं। स्थानीय ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने प्रशासन से मांग की है कि मठ घोघरा में स्थायी पुलिस गश्त की व्यवस्था की जाए।

सीसीटीवी कैमरे लगाए जाएं,

नशे और शराबखोरी पर सख्त कार्रवाई हो, तथा इस धार्मिक एवं पर्यटन स्थल को पुन: सुरक्षित बनाया जाए। यदि समय रहते प्रशासन ने ध्यान नहीं दिया तो यह पवित्र स्थल अपनी धार्मिक गरिमा खो सकता है और किसी बड़ी अप्रिय घटना से इनकार नहीं किया जा सकता।

श्रीमद भागवत भगवान का जन्म केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि मानव जीवन को प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा है

प्रतापगढ़ में भागवत कथा के चौथे दिन मनाया कृष्ण जन्मोत्सव

सिवनी नवभारत। सिवनी जिले के प्रतापगढ़ गांव में नागेश परिवार द्वारा आयोजित श्रीमद् भागवत कथा ज्ञान यज्ञ श्रद्धा और भक्ति के वातावरण में निरंतर आगे बढ़ रहा है। कथा वाचन पंडित उमाकांत शास्त्री द्वारा किया जा रहा है। कथा के चौथे दिन कृष्ण जन्माष्टमी अर्थात (कृष्ण) जन्म उत्सव का भव्य एवं भावपूर्ण वर्णन किया गया, जिसे सुनकर पंडाल में उपस्थित श्रद्धालु भाव-विभोर हो उठे। और आगे पंडित उमाकांत शास्त्री ने भगवान श्रीकृष्ण के अवतरण की कथा का विस्तार से वर्णन करते हुए बताया कि जब-जब धरती पर अधर्म बढ़ता है, तब-तब भगवान अवतार लेकर धर्म की स्थापना करते हैं। मथुरा की कारागार में वासुदेव और देवकी के यहां श्रीकृष्ण के जन्म की कथा सुनाते हुए उन्होंने कहा कि भगवान का जन्म केवल एक ऐतिहासिक घटना नहीं, बल्कि मानव जीवन को प्रेम, करुणा और धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा है ।कथा के दौरान कृष्ण जन्म उत्सव को अत्यंत उल्लास और भक्ति भाव से मनाया गया। जैसे ही भगवान कृष्ण के जन्म का प्रसंग आया, पूरा पंडाल नंद के आनंद भयो, जय कन्हैया लाल की के जयघोष से गूंज उठा। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया, जिससे उत्सव का माहौल और भी आनंदमय हो गया।

आकर्षण बनी नन्हे बच्चों की राधा-कृष्ण वेशभूषा

वहीं बाल गोपाल और राधा के रूप में सजे बच्चों ने अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से श्रद्धालुओं का मन मोह लिया। बच्चों को देखकर श्रद्धालु भावुक हो उठे और मोबाइल कैमरों में इस पावन क्षण को कैद करते नजर आए। भागवत कथा में प्रतापगढ़ सहित आसपास के गांवों से बड़ी संख्या में श्रद्धालु प्रतिदिन पहुंच रहे हैं। महिलाओं, बुजुर्गों और युवाओं की उपस्थिति से कथा स्थल भक्ति के रंग में रंगा हुआ दिखाई दिया। नागेश परिवार द्वारा की गई व्यवस्थाओं की श्रद्धालुओं ने सराहना की। आयोजकों ने बताया कि श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन आगामी दिनों तक जारी रहेगा, जिसमें भगवान श्रीकृष्ण के जीवन से जुड़े अन्य महत्वपूर्ण प्रसंगों का वर्णन किया जाएगा। कथा श्रवण से क्षेत्र में धार्मिक वातावरण बना हुआ है और श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति की अनुभूति हो रही है।